आग से बचाव हेतु अपनाइये ये सुझाव

आग से सुरक्षा हेतु सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि आग कैसे लगती है?

सदा ध्यान रखें, आग को जलने के लिये वायु, उष्मा व ईंधन तथा इनके बीच परस्पर रासायनिक प्रतिक्रिया की ज़रूरत होती है।

आग पर नियंत्रण हेतु इन तीनों को अलग-अलग करना आवश्यक है।

आग के स्त्रोत व ईंधन के प्रकार के आधार पर तय किया जाता है कि आग किस वर्ग की है। साधारणतः अग्निशामक सिलैन्डर पर यह वर्ग (क्लास) लिखा होता है। **अतः आग पर नियंत्रण करने के लिये उचित अग्निशामक का ही प्रयोग करें।**

A	साधारण ज्वलनशील पदार्थ (लकड़ी, कपड़ा, कागज़, रबड़, प्लास्टिक आदि)
B	ज्वलनशील द्रव (पेट्रोल, केरोसीन आदि)
C	ज्वलनशील गैस (एल.पी.जी., सी.एन.जी. आदि)
D	ज्वलनशील धातु (सोडियम, पोटैशियम आदि)
E	विद्युत-चालित उपकरण (मोटर, ट्रांसफॉर्मर आदि)
F	खाद्य तेल (सरसों का तेल, रिफाइन्ड तेल आदि)

कार्यालयों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगने का एक प्रमुख कारण है विद्युत उपकरणों व तारों में शॉर्ट सर्किट होना। अतः सुनिश्चित करें कि -

- फ्यूज़ व स्विच बॉक्स आदि पर कवर प्लेट ढ़की हों जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर आग या चिन्गारियाँ बाहर न आएं।
- बिजली के स्विच, तारें व अन्य उपकरण विद्युत आपूर्ति में अचानक आए अतिरिक्त भार को सहने के योग्य हों।
- कार्यालय से निकलते समय सभी विद्युत उपकरण जैसे कम्प्यूटर, प्रिन्टर, फोटोकॉपी मशीन, कॉफी मशीन आदि के स्विच बन्द हों।

साथ ही निम्नलिखित बातें सदा ध्यान रखें

- अंगीठी/अलाव आदि को हर प्रकार के ज्वलनशील पदार्थों से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर रखें।
- थोड़ी देर के लिये भी कमरे से बाहर निकलते समय हीटर बन्द कर दें व उसका प्लग निकाल लें।
- हीटर/अंगीठी पर्दों, फर्नीचर आदि से कम से कम 3 फीट दूरी पर रखें।
- धूम्रपान करते समय ऐश ट्रे का प्रयोग करें व जलती हुई सिग्रेट-बीड़ी कभी भी ऐश ट्रे में न छोड़ें।
- उचित सुरक्षा मानकों वाले विद्युत उपकरणों का ही प्रयोग करें।
- कार्यालय के विभिन्न भागों में स्मोक डिटैक्टर व अलार्म लगवाएं।
- किसी विद्युत-चालित मशीन जैसे कम्प्यूटर, प्रिन्टर आदि से तार/प्लास्टिक आदि के जलने की गन्ध आए, तो तुरंत ही उसका प्लग निकाल लें व किसी विशेषज्ञ द्वारा उसकी जाँच कराएं।

आग लगने पर क्या करें और क्या न करें

- आग लगने पर सर्वप्रथम अपनी जान बचाएं, सामान आदि को बचाना घातक हो सकता है।
- शरीर के किसी अंग में आग लगने पर दौड़ने के बजाय जमीन पर लेटकर पलटें ताकि आग बुझ जाये।
- चूंकि धुँआ व अन्य हानिकारक गैसें कमरे में ऊपर की ओर इकट्ठा होती हैं अतः आग लगने पर खड़े न हों, जमीन पर घुटने के बल चलें।
- आग लगने की स्थिति में विकलांग व्यक्तियों की सहायता करें व उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

आग लगने पर 101 पर फोन करें या नजदीकी फायर स्टेशन से सम्पर्क करें।

हिमाचल प्रदेश सरकार

भारत सरकार - यू.एन.डी.पी. के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम (2009-2012) के अन्तर्गत हि. प्र. आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा विकसित व जनहित में जारी।

अधिक जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें-
टेलीफोन- 0177 2625657, फैक्स- 0177 2625657
ईमेल- sdma-hp@nic.in वेबसाईट- www.hpsdma.nic.in

UNDP
Empowered lives.
Resilient nations.